

- ऽप्य् अभिषेके मे. *Vid.* हन् praef. वि.
- c. आ praef. सम् 1) conglobare, comprimere. A. 3. 40.: तलैर् अपि समाहृतैः; v. praef. सम्. 2) contingere. DR. 5. 17.: हस्तं समाहृत्य धनञ्जयस्य भीमाः शराः 3) *i. q. simpl.* MAH. 1. 6291.: तम्... जानुभ्यां समाजघ्नेः 7941.: भेरों समाजघ्ने.
- c. उत् tollere. R. Schl. II. 53. 32.: जलान् मत्स्याव् इवो 'उत्तौ. — उद्यत superbis. HIT. 115. 11.
- c. उप 1) pulsare, ferire. *TROP.* H. 2. 29. N. 7. 14. BH. 1. 38. 2) attingere, contingere, usurpare, adhibere. MAN. 9. 208.: अनुपघ्नन् पितृद्वयम्.
- c. नि *P. A.* 1) pulsare, ferire. A. 3. 19.: निघ्नन् प्रोथेन पृथिवीम्; MAH. 3. 12220.: शिरांसि विशिखैर् दीप्तैर् न्यहनम्; 4. 1680.: त्रिराटपुत्रञ्च करे निजघ्ने. *TROP.* profligare. HIT. 6. 14.: दैवं निहत्य. 2) occidere, interficere. H. 4. 15.: त्वाम् एव ... निहन्यम् अद्य; SU. 4. 18. R. Schl. I. 45. 49. 3) demergere, defigere. R. Schl. II. 82. 16.: रामे निहतचेतसः.
- c. नि praef. परि pulsare, ferire. MAH. 3. 12261.
- c. नि praef. वि 1) pulsare. R. Schl. I. 9. 16. 2) occidere, interficere, destruere, delere. MAH. 1. 2837. A. 8. 25.
- c. परा abigere, propellere. MAH. 3. 12889.: पयोदाः ... वायुवेगपराहताः.
- c. परि decutere, dejicere. GITA-G. 5. 13.: परिहतरसनम् ... जघनम्.
- c. प्रति *P. A.* 1) referire. MAH. 3. 1091.: प्रतिहन्याद् धतश्चै 'व तथा हिंस्याच्च हिंसितः. 2) repellere, *zurück-schlagen*. A. 3. 31.: अस्मिन् प्रतिहतेचा 'स्त्रे; 8. 11. — MAH. 1. 8278.: शरैर् अर्जुनो वर्षम् प्रतिजघ्ने; 2. 81. 3) pulsare, ferire. A. 10. 20. 36.
- c. वि 1) pulsare, ferire. A. 8. 4. 10. 23. 56. *TROP.* affligere, मनः animum. MAH. 2. 151.: मनो विहन्यते. 2) repudiare, repellere. RAGH. 2. 58.: ना 'र्हसि त्वम् ... मे प्रणयं विहन्तुम्; 11. 2.: रघोः कुले न व्यहन्यत कदाचिद् अर्थिता. 3) impedire. R. Schl. II. 23. 22.: लोकपालाः समस्तास् ते ना 'द्य रामाभिषेचनम् ... विहन्युः; MAH. 3. 15138.: मा विहन्यत गच्छत (विहन्यत

- Imperat. Pass. c. term. PAR. v. gr. 493.*) — *Caus. de-*
lendum curare. HIT. 102. 6.: परसैन्यं विघातयेत्.
- c. सम् 1) colligere, conjungere. MAN. 2. 71.: संहत्य हस्तौ; HIT. 14. 10.: संहतास् तु हर्तो 'मे मम जालम्. Coacervare. IN. 1. 6.: संहताश्च तथा 'पलाः. 2) contra-
here. DR. 7. 9.: भृकुटीसंहतश्रुवम्.
- c. सम् praef. अभि conjungere, adjungere, copulare. MAH. 2. 800.
2. हन् *Adj. (in fine comp., r. हन्)* occidens, destruens, delens. BH. 6. 17.
- हनु *m. f.* maxilla. (Gr. *γένυς*, goth. *kinnu-s* f. maxilla, germ. vet. *kinni* n. id. et mentum; lith. *z'anda-s* pertinet ad गण्ड, fortasse etiam lat. *gena*, ita ut mutilatum sit e *genda*.)
- हनु *f. i. q.* हनु.
- हन् *Interj. gaudii, misericordiae, consternationis, etiam particula inceptiva.* (AM. हर्षे ऽनुकम्पायां वाक्वारम्भविषादयोः). H. 1. 51. A. 3. 9. BH. 10. 19. UR. 8. 17. MEGH. 102.)
- हन्तृ *m.* (r. हन् s. त्) 1) occisor. BH. 2. 19. 2) eversor, subversor, exstinctor. HIT. 22. 12.
- हम् 1. *P.* (गतौ) ire.
- ह्य 1. *P.* (गतौ क्लामे) ire, defatigari. *Cf.* ह्य.
- ह्य *m.* (fortasse a r. ह्य, nisi a हि, suff. ञ) equus. N. 19. 2.
- हर (r. हृ s. ञ) 1) *Adj. in fine comp.* rapiens. 2) *Subst. m.* cognomen dei *Sivi*.
- हरण *n.* (r. हृ s. ञ) actio tollendi, auferendi. HIT. 75. 7.
- हरि 1) *Adj.* a) viridis. b) gilvus, flavus. c) nigricans e gilvo. IN. 1. 7. 5. 1. A. 4. 12. IN. 5. 54. 2) *Subst. m.* a) equus. A. 1. 1. 2. 5. b) leo. DR. 5. 7. c) nomen *Visch-nus*.
- हरिण (*f.* णी) *Adj.* e flavo albus. *Subst. m.* nomen animalis quadrupedis (Wils.: a deer). DR. 4. 15.
- हरित् viridis. (Fortasse lat. *viridis* e *guiridis*, sicut *vivo* e *guivo*, v. ज्रीव, lith. *z'alias* viridis, *z'olē* gramen, c. l